प्रस्तावना-

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने महात्मा गांधी जी की जयंती ०२ अक्टूबर २०१४ को 'स्वच्छ भारत अभियान' की शुरूआत की, स्वच्छ भारत अभियान को भारत मिशन और स्वच्छता अभियान भी कहा जाता है। नई दिल्ली में राजपथ पर स्वच्छ भारत अभियान का शुभारंभ करते हुए श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, ''२०१९ में महात्मा गांधी की १५०वीं जयंती के अवसर पर भारत उन्हें स्वच्छ भारत के रूप में सर्वश्रेष्ठ श्रंदाजलि दे सकता है।'' ०२ अक्टूबर २०१४ को देश भर में एक राष्ट्रीय आंदोलन के रूप में स्वच्छ भारत मिशन की शुरूआत हुई।

स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत हमारे भारत के शहरों को साफ रखने के लिए एक अलग से रणनीति बनाई गई है। शहरी क्षेत्रों में स्वच्छ भारत मिशन का लक्ष्य हर नगर में ठोस कचरा प्रबंधन सहित लगभग सभी १.०४ करोड़ घरों की २.६ लाख सार्वजनिक शौचालय, २.५ लाख सामुदायिक शौचालय उपलब्ध कराना है। शहरों के प्रमुख स्थान जैसे कि सार्वजनिक अस्पताल, बस स्टैंड, बैंक, पोस्ट ऑफिस, रेलवे स्टेशन, मुख्य बाजार, सरकारी कार्यालयों आदि के पास सार्वजनिक शौचालय बनाए जाएगें। हमारे देश में ठोस अपशिष्ट पदार्थ का कचरा बहुत ज्यादा उत्पन्न होता है, उसके स्थाई समाधान के लिए ७,३६६ करोड़ लगाए जाएगें।

उद्देश्य -

प्रस्तुत शोध पत्र में अध्ययन से नगरीय परिवेश में स्वच्छता के निम्न उद्देश्य हैं :-

1. इस अभियान का प्रथम उद्देश्य है कि देश का कोना-कोना साफ सुथरा हो।
2. लोगों को बाहर खुले में शौंच करने से रोका जाए, अगर नही रोका गया तो, हर साल हजारों बच्चों की मौत हो जाती है।
3. भारत के हर शहर और ग्रामीण इलाकों के घरों में शौचालय का निर्माण करवाया जाए।
4. शहर और गांव की प्रत्येक सड़क, गली और मोहल्ले साफ-सुथरे हो। हर एक गली में कम से कम एक कचरा पात्र आवश्यक रूप से लगाया जाए।
5. लगभग ११ करोड़ ११ लाख व्यक्तिगत, सामूहिक शौचालयों का निर्माण करवाना जिसमें १ लाख ३४ हजार करोड़ रूपए खर्च होगें।
6. शौचालय उपयोग को बढ़ावा देना और सार्वजनिक जागरूकता को शुरू करना।
7. सड़के, फुटपाथ और बस्तियां साफ रखना।

8. साफ-सफाई के जरिए सभी में स्वच्छता के प्रति जागरूकता पैदा करना।

पूर्वसाहित्य की समीक्षा -

सुरेन्द्र कुमार तिवारी (२०१४) ने जल, स्वच्छता, स्वास्थ्य की सुविधा, स्कूल में एक सफल विद्यालय वातावरण और प्रतिरोध बनाता हैं। साफ-सफाई से तथा स्वच्छ जल से रोगों पर नियन्त्रण पाया गया। यह स्वस्थ शारीरिक ज्ञान के वातावरण की ओर पहला कदम हैं। जो ज्ञान और स्वास्थ्य दोनां में लाभ पहुंचाता है। रूद्रेश एस०के० के अनुसार स्वच्छता की बुनियादी धारणा मानवीय कार्यों को ऐसे तरीके से व्यवस्थित करना है। जिससे जल और भोजन, दूषित न हो। जिससे स्वच्छता और सम्मानीय जीवन प्राप्त करने में सहायता मिलेगी।

डर्मने अभय बी (नवम्बर २०१४) के अनुसार स्वास्थ्य और स्वच्छता मानव जीवन के सबसे महत्वपूर्ण तत्व हैं। पूरे देश में स्वच्छता को विकसित करना और स्वच्छता की व्यवस्था करना जन स्वास्थ्य में सर्वाधिक प्रभावी व्यावधानो ं के बीच है। नायक अपर्णा (२०१४) के अनुसार अगले पाँच वर्षों में स्वच्छ भारत लक्ष्य को पूरा करने का उद्देश्य भारत में स्वच्छता व्यवस्था में परिवर्तन लाकर उसे ठीक करना है। जो समस्यायें पर्यावरण से घनिष्टता से जुड़ी हुई है उन्हें काफी हद तक कम करना। कुड़ा-करकट का निस्तारण करना। आज हम जलवायु परिवर्तन, जल प्रदूषण, रासायनिको ं के प्रयोग के दुष्प्रभाव का सामना करते हैं।

शर्मा, बी० और शैलजा, वद्रा (२०१५) के अनुसार भारत एक विकासषील देष हैं जो स्वच्छता की ओर केन्द्रित करने का प्रयास कर रहा है। राष्ट्र को सुव्यवस्थित करना चाहता है और जलवायु को स्वच्छ बनाने के बिन्दु को व्युत्पन्न करना चाहता है। आधुनिक भारत ये स्वच्छता पर अध्ययन को केन्द्रित करता है।

सुब्बाराव, वेंकट पी० और एस० सुमाशेखर (२०१५) के अनुसार स्कूली शिक्षा विभाग, साक्षरता, मानवीय संसाधन विकास मंत्रालय तथा भारत सरकार ने एक निश्चित उद्देश्य की पूर्ति हेतु स्वच्छ भारत और स्वच्छ विद्यालय को शुरू किया जो इसका निर्माण, देख-रेख तथा शौचालयों की मरम्मत का विवरण देतें हैं तथा व्यक्तिगत व संगठित, दानकर्ताआ ं को आमन्त्रित करता है।

शर्मा, नीतू, चौधरी, रिचा और पुरोहित, हर्ष (२०१४) के अनुसार 'हरित लेखांकन अभी तक एक मुख्य मुद्दा है और हमारे देश भाग के विकास के लिए महत्वपूर्ण रूप मे ं लिया जा सकता है जैसे भारत के बैंकिंग एवं वित्तीय संस्थान एक आवश्यक रूप में प्रारम्भ किये गए।

शोध विधि-

प्रस्तुत शोध पत्र मेंनगरीय परिवेश में स्वच्छता अभियान की चुनौतियों का अध्ययन करने के लिए रीवा नगर का चुनाव किया गया है। प्राथमिक शोध विषय पर आँकड़ें एकत्र करने के लिए रीवा नगर में १०० लोगों का न्यादर्श लेकर उनसे प्रश्नावली से प्रश्न पूँछे गये। द्वितीयक आवश्यक समंकों को प्राप्त करने के लिए सरकारी प्रकाशनों, समाचार-पत्र तथा इन्टरनेट आदि का प्रयोग किया गया है। एकत्रित आँकड़ों का वर्गीकरण, सारणीयन, प्रतिशत आदि सांख्यिकीय विधियों का प्रयोग करके निर्वचन किया गया है।

तथ्यों का वर्गीकरण एवं विश्लेषण-

प्रस्तुत शोध में तथ्यों के संकलन के आधार पर वर्गीकृत, सारणीयन कर कुछ महत्वपूर्ण निष्कर्षों का विश्लेषण किया गया है।

१. अपने शहर को स्वच्छ रखने के लिए कौन से उपाय को आप सर्वाधिक अच्छा मानते हैं?

तालिका क्र.- १

क्र.	शहर को स्वच्छ रखने का विवरण	आवृत्ति	प्रतिशत
1.	सफाई की जिम्मेंदारी लें एक टीम बनाकर	25	50
2.	लोगों को प्रोत्साहित करें	05	10
3.	सरकार का साथ दे	10	20
4.	शोसल मीडिया का उपयोग करें	10	20
	योग-	**50**	**100**

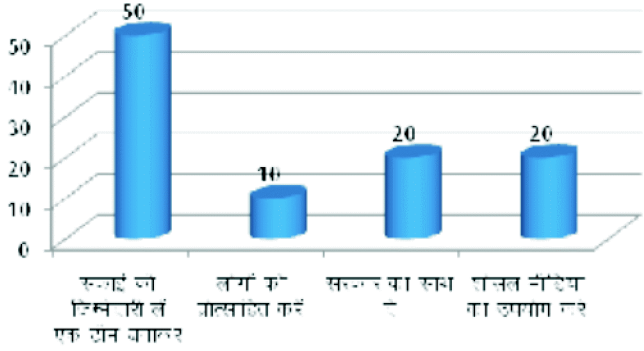

उपरोक्त तालिका से यह स्पष्ट होता है कि ५० प्रतिशत सफाई की जिम्मेंदारी लें एक टीम बनाकर, १० प्रतिशत लोगों को प्रोत्साहित करे एवं २० प्रतिशत सरकार का साथ दे व शोसल मीडिया का उपयोग कर अपने शहर को स्वच्छ रखने को सर्वाधिक अच्छा मानते हैं।

२. नगर में गंदी बस्तियों के विकास का दायित्व किसका होना चाहिए?

तालिका क्र.- २

क्र.	नगर में गंदी बस्तियों के विकास का विवरण	आवृत्ति	प्रतिशत
१.	नगर पालिक	40	80
२.	सरकार	10	20
	योग-	50	100

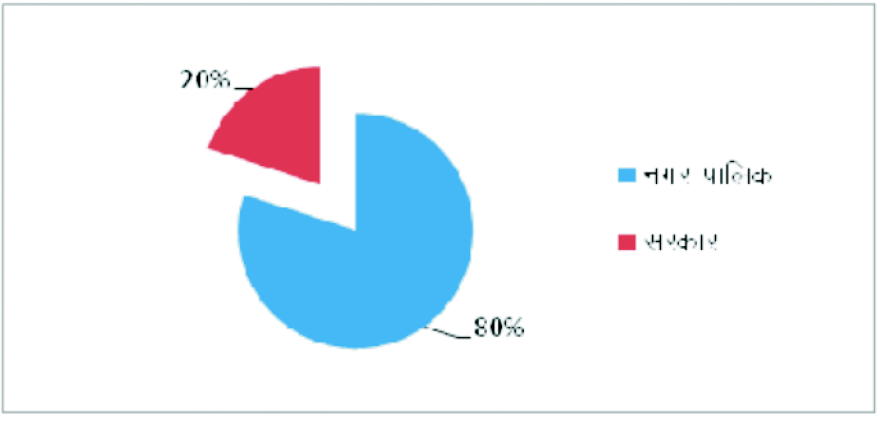

उपरोक्त तालिका से यह स्पष्ट होता है कि नगर में गंदी बस्तियों के विकास का दायित्व नगर पालिक का ८० प्रतिशत व २० प्रतिशत सरकार का योगदान होता है।

३. आप अपने घर का अपशिष्ट कहाँ फेकते हैं?

तालिका क्र.- ३

क्र.	घर का अपशिष्ट फेकने का विवरण	आवृत्ति	प्रतिशत
१.	घर के बाहर	05	10
२.	डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन गाड़ी में	30	60
३.	डस्टबीन	15	30
	योग-	50	100

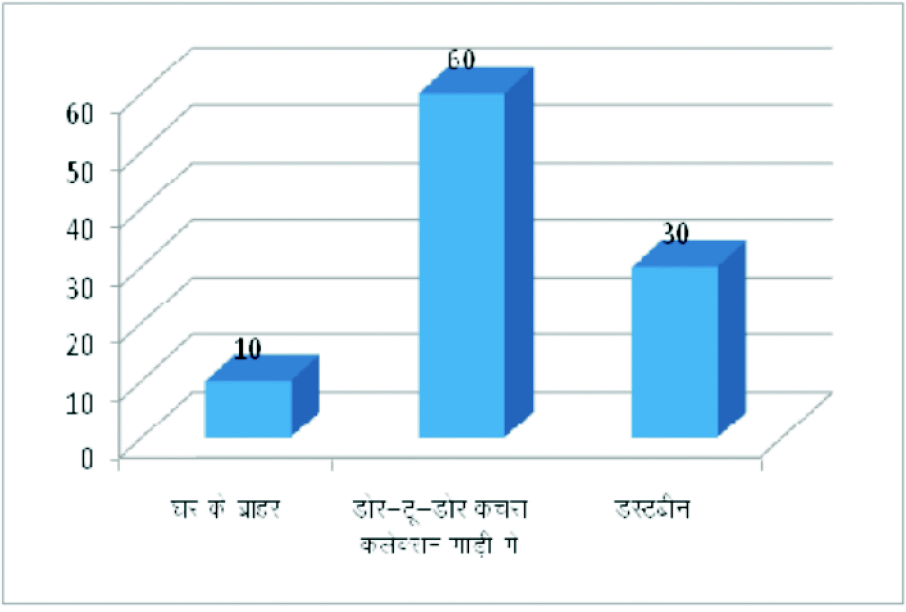

उपरोक्त तालिका से यह स्पष्ट होता है कि घर का अपशिष्ट घर के बाहर १० प्रतिशत एवं डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन गाड़ी में ६० प्रतिशत व डस्टबीन में ३० प्रतिशत लोगों का फेकने में योगदान उत्तरदाताओं ने दिया।

४. अपने नगर को साफ रखने के लिए युवाओं को क्या करना चाहिए?

तालिका क्र.- ४

क्र.	नगर को साफ रखने का विवरण	आवृत्ति	प्रतिशत
१.	एन.जी.ओ. बनाकर स्वच्छता के लिए कार्य करें	20	40
२.	अपने घर के बड़े-बूढ़ों को स्वच्छता का महत्व समझाएं	15	30
३.	सरकार के स्वच्छता से संबंधित गलत फेसले पर अपना सुझाव दे	15	30
	योग-	50	100

उपरोक्त तालिका से यह स्पष्ट होता है कि ४० प्रतिशत एन.जी.ओ. बनाकर स्वच्छता के लिए कार्य करें एवं ३०प्रतिशत अपने घर के बड़े-बूढ़ों को स्वच्छता का महत्व समझाएं व ३० प्रतिशत सरकार के स्वच्छता से संबंधित गलत फेसले पर अपना सुझाव उत्तरदाताओं ने दिया।

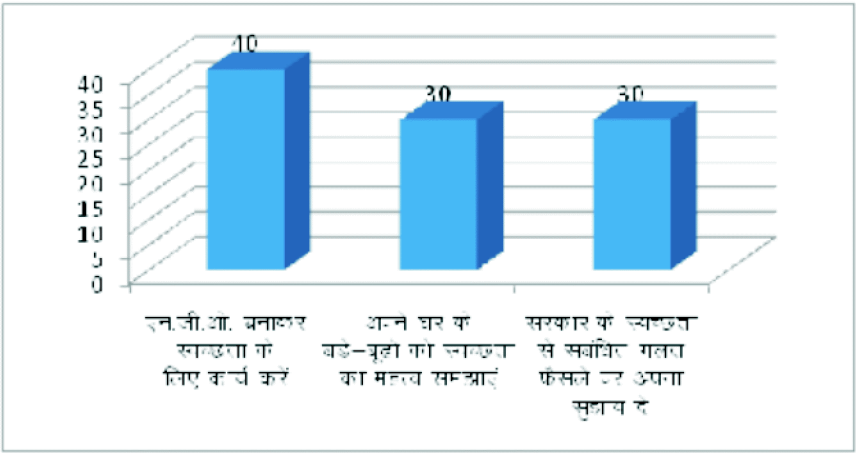

५. शहरों में घूमने वाले आवारा पशुओं के द्वारा किए जाने वाली गंदगी का क्या निदान

तालिका क्र.- ५

क्र.	शहरों में घूमने वाले आवारा पशुओं के द्वारा किए जाने वाली गंदगी का विवरण	आवृत्ति	प्रतिशत
१.	शेल्टर बनाए	35	70
२.	सफाई कर्मी नियमित रूप से काम करें	15	30
	योग-	50	100

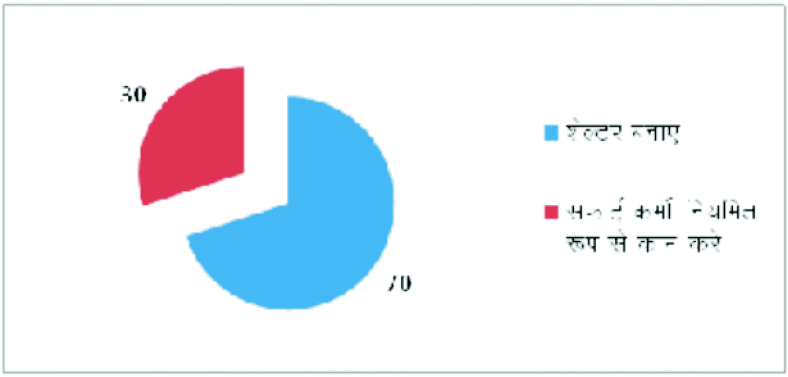

उपरोक्त तालिका से यह स्पष्ट होता है कि ७० प्रतिशत शेल्टर बनाए जाय,जबकि ३० प्रतिशत सफाई कर्मी नियमित रूप से काम करें का मत उत्तरदाताओं द्वारा दिया गया।

६. शहरों मे लगने वाली चौपाटी और ठेले में नाश्ता/खाना खाने से होने वाली गंदगी की जिम्मेदारी किसकी होनी चाहिए?

तालिका क्र.-६

क्र.	शहरों में चौपाटी और ठेले में नाश्ता/खाना खाने से होने वाली गंदगी का विवरण	आवृत्ति	प्रतिशत
१.	ठेले के मालिक	15	30
२.	चौपाटी प्रबंधक	15	30
३.	स्वयं नागरिक	15	30
	योग-	50	100

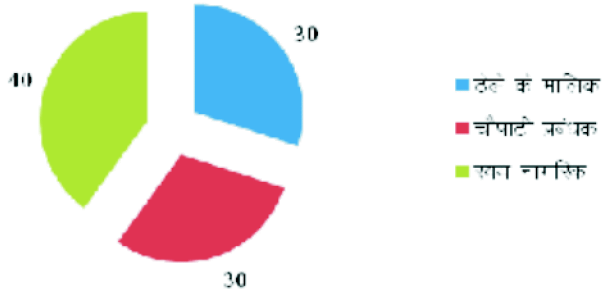

उपरोक्त तालिका से यह स्पष्ट होता है कि ३० प्रतिशत ठेले के मालिक, जबकि ३० प्रतिशत चौपाटी प्रबंधक व स्वयं नागरिक शहरों में चौपाटी और ठेले में नाश्ता/खाना खाने से होने वाली गंदगी पर उत्तरदाताओं द्वारा मत दिया गया।

७. शहरों मे बहने वाली नदियों/तालाबों की गंदगी का क्या कारणहै?

तालिका क्र.-७

क्र.	शहरों मे बहने वाली नदियों/तालाबों की गंदगी का विवरण	आवृत्ति	प्रतिशत
१.	पूजा सामग्री, मूर्तियों का विसर्जन	10	20
२.	कारखानों का अपशिष्ट	25	50
३.	नालियों की सहीव्यवस्था न होना	15	30
	योग-	50	100

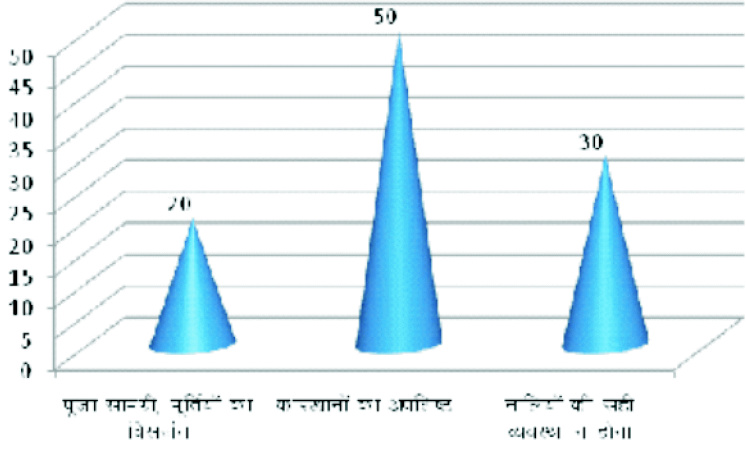

उपरोक्त तालिका से यह स्पष्ट होता है कि २० प्रतिशत पूजा सामग्री, मूतिऱ्यों का विसर्जन, जबकि ५० प्रतिशत कारखानों का अपशिष्ट व नालियों की सही व्यवस्था न होने पर उत्तरदाताओं द्वारा मत दिया गया।

८. शहरों मे स्थित मंदिरों में सफाई की क्या व्यवस्था होनी चाहिए?

तालिका क्र. - ८

क्र.	शहरों मे स्थित मंदिरों में सफाई की क्या व्यवस्था का विवरण	आवृत्ति	प्रतिशत
१.	नारियल और प्रसाद चढ़ाने की एक निश्चित जगह निर्धारित हो	10	20
२.	भगवान को जल, फूल इत्यादि चढ़ाने से मना किया जाए	15	30
३.	मंदिर प्रबंधन अपनी जिम्मेदारी पर सफाई करवाए	25	50
	योग-	25	100

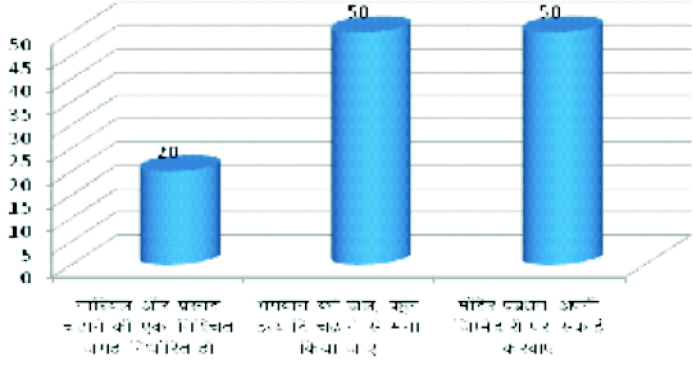

उपरोक्त तालिका से यह स्पष्ट होता है कि २० प्रतिशत नारियल और प्रसाद चढ़ाने की एक निश्चित जगह निर्धारित हो, जबकि ३० प्रतिशत भगवान को जल, फूल इत्यादि चढ़ाने से मना किया जाए व ५० प्रतिशत मंदिर प्रबंधन अपनी जिम्मेदारी पर सफाई करवाए पर उत्तरदाताओं द्वारा मत दिया गया।

९. शहर में स्थित बस स्टैण्ड/रेल्वे स्टेशन की सफाई के लिए क्या प्रयास करना चाहिए?

तालिका क्र.-९

क्र.	शहर में स्थित बस स्टैण्ड/रेल्वे स्टेशन की सफाई का विवरण	आवृत्ति	प्रतिशत
१.	स्वयं व्यक्तियों को स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए	20	40
२.	सरकार को सफाई की उचित व्यवस्था बनाना चाहिए	30	60
	योग-	50	100

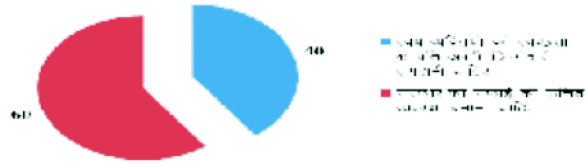

उपरोक्त तालिका से यह स्पष्ट होता है कि ४० प्रतिशत स्वयं व्यक्तियों को स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए, जबकि ६० प्रतिशत सरकार को सफाई की उचित व्यवस्था बनाना चाहिए पर उत्तरदाताओं द्वारा मत दिया गया।

१०. नगरीय परिवेश में स्वच्छता अभियान की सबसे बड़ी चुनौती क्या है?

तालिका क्र.-१०

क्र.	नगरीय परिवेश में स्वच्छता अभियान की सबसे बड़ी चुनौती का विवरण	आवृत्ति	प्रतिशत
१.	नागरिकों का जिम्मेदार न होना	१५	३०
२.	नगर निगम का सही योजना न बनाना	३०	४०
३.	सफाई कर्मियों का निष्ठापूर्वक कार्य न करना	१५	३०
	योग-	५०	१००

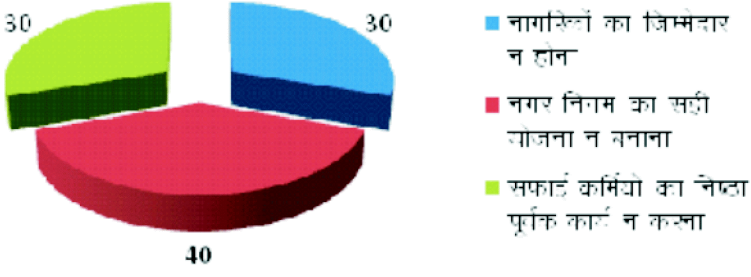

उपरोक्त तालिका से यह स्पष्ट होता है कि ३० प्रतिशत नागरिकों का जिम्मेदार न होना, जबकि ४० प्रतिशत नगर निगम का सही योजना न बनाना व ३० प्रतिशत सफाई कमिर्यों का निष्ठापूर्वक कार्य न करने पर उत्तरदाताओं द्वारा मत दिया गया।

निष्कर्ष- महात्मा गांधी ने कहा था ''जो परिवर्तन आप दुनिया में देखना चाहते है, वह सबसे पहले अपने आप में लागू करें'' महात्मा गाँधी द्वारा कहे गए यह कथन जो कि स्वच्छता पर ही आधारित है। उनके

अनुसार स्वच्छता की जागरूकता की मशाल सभी में पैदा होना चाहिए। स्वच्छता से ना केवल हमारा तन साफ रहता है बल्कि हमारा मन भी साफ रहता है। हमारे भारत में जहां स्वच्छता होती है, वहाँ पर ईश्वर निवास करते है, इस प्रथा को माना जाता है, इसलिए हमें भी स्वच्छता को अपनाना चाहिए व लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक भी करना चाहिए। इसकी शुरूआत हमें और आपको मिलकर करनी होगी। जिससे कि हमारा पूरा देश साफ-सुथरा हो जाए। स्वच्छ भारत अभियान भारत को स्वच्छ करने के लिए एक कड़ी का काम कर रहा है। लोग इसके उद्देश्य से उत्साहित होकर स्वच्छता के प्रति सचेत हो रहें है। स्वच्छ भारत अभियान से हमारा आने वाले कल बहुत ही सुंदर एवं अकल्पनीय होगा। अगर आप और हम मिलकर स्वच्छ भारत अभियान के लक्ष्य को पूरा करने में लग जाए तो वह दिन दूर नहीं जब हमारा पूरा देश, विदेशों की तरह पूरी तरह से साफ सुथरा दिखाई देगाा। एक स्वस्थ्य देश और स्वस्थ्य समाज को जरूरत हैकि उसके नागरिक स्वस्थ्य रहें तथा हर व्यवस्था में स्वच्छ हो।

सन्दर्भ स्रोत -

1. Surendra Kumar Tiwari. The Study of Awareness of ANational Mission:Swach Vidyalaya in the MiddleSchool Student of Private and Public Schools. PARIPEX*Indian Journal of Research* (ISSN 2250-1991). 2014. *www.paripex.in /http://indianjournalresearch.com*
2. Mane Abhay B. Swachh Bharat Mission for India'sSanitation Problem: Need of the Hour. *Unique Journal ofMedical and Dental Sciences* (ISSN 2347-5579). 2014;02(04):58-60. www.ujconline.net
3. Sharma V, Badra Shailja. International *Journal ofAdvance Research in Science and Engineering*(IJARSE). 2015; 4(01). http://www.IJARSE.com. ISSN– 2319-8354 (E).
4. Venkata Subbarao P, Somasekhar S. Swachh Bharat:Some Issues and Concern. *International Journal ofAcademic Research*. ISSN 2348-7666. 2015; 2, 4(4). http://ijar.org.in
5. Neetu Sharma, Richa Chaudhary, Harsh Purohit. AComparative Study on Green Initiatives Taken bySelected Public and Private Sector Banks in Mumbai.*ISOR Journal of Business and Management* (IOSRJBM),e-ISSN: 2278-4878, -2319-7678. 2014, 32-37. www.josrjournals.org.
6. Rudresh Kumar Sugam, Sonali Mittra, Arunabha Ghosh. *KachraMukt, ShouchalayaYukt Bharat.* Council on Energy, Environment and Water. 2014, 584. http://ceew.in
7. Aparna Nayak. Clean India. Journal of Geoscience and Environment Protection, 2015; 03:133-139. doi: 10.4236/gep.2015.35015. Down loaded on 28 July 2015 from *http://creativecommous.org/licenses/by/4.0.*
8. A National Mission. A Hand Book on Swachh Bharat Swachh Vidyalaya. 2014. *http://scholar.havard.edu/files/adukia-sanitation-andeducation.*